THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do no. arise.

हरियाणा के लघु एककों में कोयले की कमी

2542. श्री रसीद मसूद :
श्री अजीत सिंह :
श्रीमती रेणुका चौधरी :

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मंत्रालय का ध्यान 25 जुलाई, 1987 के दि ट्रिब्यून में "हरियाणा स्माल यूनिटस हिट बाई कोल शार्टेज" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और क्या सरकार ने इस संबंध में प्रभावी कदम उठाए है, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री बसंत साठे) : (क) जी, हां । "इकनोमिक टाइम्स" (नई दिल्ली संस्करण) के दिनांक 25-7-1987 के अंक में इस शीर्षक से एक समाचार प्रकाशित हुआ था--"हरियाणा स्माल यूनिट्स हिट बाई कोल शार्टेज " ।

(ख) इस समाचार में जिन बातों का जिक्र था वे हैं : वैगनों की अपर्याप्त उपलब्धि, स्टीम कोयले की कम सप्लाई, सप्लाई किए गए कोयले में बाहरी सामग्री होना, रास्ते में कोयले की चोरी हो जाना, आदि ।

हरियाणा को जनवरी से मई, 1987 के बीच कोयले की सप्लाई का मासिक औसत 2.57 लाख टन है जबकि पिछले वर्ष इसकी तुलना में यह मात्रा 2.33 लाख टन रही थी । जहां तक स्टीम कोयले का सवाल है, जनवरी से जून, 1987 की अवधि में तय कार्यक्रम का 78% कोयला सप्लाई किया गया । इसके अलावा उपभोक्ताओं को कोल इंडिया लि० के स्टाकयार्डों से भी कोयला लेने की पूरी आजादी है ।

कोयले की किस्म के बारे में कोयला कंपनी को प्राप्त शिकायतों की जांच की जाती है और यथा आवश्यकता सुधार की कार्रवाई की जाती है रास्ते में कोयला चोरी की बात कोल इंडिया की जिम्मेदारी से बाहर है ।

Reduction of transmission and distribution losses

2543. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether there are efforts underway to reduce transmission and distribution losses throughout the country and if so, what are the details of the progress made so far; and

(b) whether part of the losses are due to conductor wires and due to drop in voltage and if so, how these are to be overcome?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) and (b) Some energy is inevitably lost in transmitting it through the conductor wires which also caused drop in voltage. ' The State Electricity Boards have been advised to identify the elements responsible for excessive losses and to prepare schemes for strengthening of transmission and distribution systems, relocation of sub-stations closer to the load centres, etc.

To detect theft of energy, Electricity Boards have set up vigilance squads to conduct surprise raids. The Indian Electricity Act, 1910 has' been amended to make the theft of energy a cognizable offence.

The Government have also decided to introduce an incentive scheme for reduction of losses.